वसंत जमशेदपुरी

चंदा मामा

नील गगन के चंदा मामा
कितने प्यारे लगते हो|
अपने भोलू मामा से भी
अधिक दुलारे लगते हो||

नन्हे-नन्हे तारों को जब
लेकर छत पर आते हो|
सच बतलाऊँ हम बच्चों के
मन को बहुत लुभाते हो||

तरह-तरह के रूप बना कर
हमको खूब हँसाते हो|
आँख मिचौली कभी खेलते
बादल में छिप जाते हो||

चंदा मामा यह बतलाओ
मेरे घर कब आओगे|
मामी से मिलने का मन है
संग उसे भी लाओगे||